No. of Printed Pages : 2 **MJY–007**

स्नातकोत्तर कला उपाधि (ज्योतिष)
(एम. ए. जे. वाई.)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2024
एम.जे.वाई.-007 : संहिता ज्योतिष

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र कुल* **दो** *खण्डों में विभक्त है। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

3×20=60

1. वृहत्संहिता के प्रतिपाद्य पर विस्तार से प्रकाश डालिए।
2. पठित अंश के आधार पर किन्हीं **दो** संहिताकारों के कर्तव्य का विस्तृत वर्णन कीजिए।
3. पाठ्यक्रम में पठित दैवज्ञ लक्षण का विस्तृत विवेचन कीजिए।

4. प्राकृतिकोत्पाद सम्बन्धी सिद्धान्तों का विस्तार से उल्लेख कीजिए।
5. ग्रहचार के सम्बन्ध में चन्द्रचार का विस्तार से वर्णन कीजिए।
6. वृक्षायुर्वेद पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालिए।

खण्ड—ख

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

4×10=40

1. आदित्यचार सम्बन्धी सिद्धान्तों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
2. ग्रहचार के अन्तर्गत बुधचार सम्बन्धी सिद्धान्त का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
3. गृहभक्ति का संक्षेप में सोदाहरण वर्णन कीजिए।
4. वृष्टि विवेचन के सन्दर्भ में ज्योतिषशास्त्रीय मत का उल्लेख कीजिए।
5. दकार्गल क्या है ? सारांश में वर्णन कीजिए।
6. कूर्मचक्र से क्या समझते हैं ? सिद्धान्त और प्रयोग का वर्णन कीजिए।
7. सप्तर्षिचार का संक्षेप में सोदाहरण वर्णन कीजिए।
8. केतुचार की विधि का वर्णन कीजिए।